

भारत सरकार  
पोत परिवहन मंत्रालय  
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3165 जिसका उत्तर  
गुरुवार, 12 मार्च, 2020/22 फाल्गुन, 1941 (शक) को दिया जाना है

मैरीटाइम इंडिया समिट के दौरान समझौता जापन

3165. श्री भर्तृहरि महताब:

क्या पोत परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) सरकार मैरीटाइम इंडिया समिट, 2016 के दौरान हस्ताक्षरित समझौता जापन (एमओयू)/समझौतों के क्षेत्र-वार उद्देश्यों को किस सीमा तक प्राप्त कर पाई है;
- (ख) देशभर में उक्त समझौता जापन/समझौतों के परिणामस्वरूप भारतीय नौवहन क्षेत्र तथा विलोमत देश-वार कितने विदेशी नागरिकों को नियोजित किया गया है;
- (ग) क्या सरकार को संपूर्ण देश के विभिन्न वर्गों से उक्त समझौता जापनों/समझौतों के विरोध में अभ्यावेदन मिले हैं;
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं और ऐसे अभ्यावेदनों की वर्तमान स्थिति क्या है; और
- (ङ) नौवहन क्षेत्र में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पोत परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)  
(श्री मनसुख मांडविया)

(क) मैरीटाइम इंडिया समिट, 2016 के दौरान 80,063.54 करोड़ रुपए के कुल निवेश वाले 143 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे। इन 143 समझौतों में से 72 पूरे हो गए हैं/प्रचालनरत हैं, 13 नियत समय पर चल रहे हैं, 15 रोक दिए गए हैं, 9 देर से चल रहे हैं, 9 में प्रशासनिक अनापत्ति प्रतीक्षित है, 8 में पर्यावरण अनापत्ति प्रतीक्षित है, 4 में मुकदमें चल रहे हैं, 7 पुनर्संरचित/दुबारा शुरू किए गए हैं और 6 को छोड़ दिया गया है। हस्ताक्षरित समझौतों का संगठन-वार ब्यौरा (दिसंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार) अनुबंध में दिया गया है।

(ख) इस संबंध में आंकड़ों का रखरखाव नहीं किया जा रहा है।

(ग) उपलब्ध सूचना के अनुसार अभी तक ऐसा कोई अभ्यावेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ड.) पोत परिवहन क्षेत्र में विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए उठाए गए प्रमुख कदम नीचे दिए गए हैं:

- (i) पत्तन क्षेत्र में ऑटोमेटिक रूट के तहत 100% तक के विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को अनुमति प्रदान की गई है। इसके परिणामस्वरूप महापत्तनों में कई सार्वजनिक निजी साझेदारी (पीपीपी) परियोजनाएं शुरू हुई हैं। वर्तमान में 22,376.92 करोड़ रुपए के निवेश वाली कुल 34 पीपीपी परियोजनाएं प्रचालनरत हैं और 71,722.23 करोड़ रुपए के निवेश वाली 13 अतिरिक्त पीपीपी परियोजनाएं कार्यान्वयन के अधीन हैं।
- (ii) भारत के पोत परिवहन एवं समुद्री क्षेत्रों में निवेश करने के लिए इच्छुक निवेशकों की सुविधा हेतु भारतीय पत्तन संघ, नई दिल्ली में एक समर्पित निवेश सुविधा प्रोकोष्ठ की स्थापना की गई है। यह प्रोकोष्ठ भारत के समुद्री एवं पोत परिवहन क्षेत्रों में निवेश के अवसरों को तलाशने वाले विदेशी प्रतिनिधि मंडलों के साथ संवाद भी करता है।



13	गुजरात मैरीटाइम बोर्ड	9	5389.08	1	2	-	-	1	2	-	3	-
14	महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड	14	10405.00	3	-	-	-	6	1	3	-	1
15	तमिलनाडु मैरीटाइम बोर्ड	1	1349.00	-	-	-	1	-	-	-	-	-
	<b>राज्य समुद्री बोर्ड कुल:</b>	24	17143.08	4	2	0	1	7	3	3	3	1
16	समुद्री संगठन अंडमान लक्षद्वीप बंदरगाह निर्माण कार्य	2	40.10	2	-	-	-	-	-	-	-	-
17	कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड	3	1291.50	-	2	1	-	-	-	-	-	-
18	दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालय	4	30.71	4	-	-	-	-	-	-	-	-
19	ट्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया	3	1084.86	1	-	-	-	1	1	-	-	-
20	शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया	7	2128.00	4	-	1	1	-	-	-	-	1
21	भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण	4	-	1	1	-	1	-	-	-	-	1
	<b>समुद्री संगठन कुल:</b>	23	4575.17	12	3	2	2	1	1	0	0	2
22	समुद्री शिक्षा भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय	6	-	5	-	-	-	-	-	-	-	1
	<b>समुद्री शिक्षा कुल:</b>	6	0	5	0	0	0	0	0	0	0	1

23	अन्य इंडियन पोर्ट रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-
24	इंडियन पोर्ट्स एसोसिएशन	1	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-
25	पोत परिवहन मंत्रालय	1	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-
26	बीईएमएल लिमिटेड	1	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-
27	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	2	750.00	-	-	-	-	1	-	-	-	1
28	केएनके शिप प्रबंधन	2	5400.00	-	-	-	2	-	-	-	-	-
	<b>अन्य कुल:</b>	8	6150	1	3	0	2	1	0	0	0	1
	<b>कुल योग:</b>	143	80063.54	72	13	15	9	9	8	4	7	6

\*\*\*\*\*